Maa Maha Kali Jai Kali Kankal Malini Chalisa Lyrics with Meaning in Hindi and English

Maa Maha Kali Jai Kali Kankal Malini Chalisa Lyrics in Hindi

॥ दोहा ॥
जय जय सीताराम के मध्यवासिनी अम्ब, देहु दर्श जगदम्ब अब करहु न मातु विलम्ब ॥
जय तारा जय कालिका जय दश विद्या वृन्द, काली चालीसा रचत एक सिद्धि कवि हिन्द ॥
प्रातः काल उठ जो पढ़े दुपहरिया या शाम, दुःख दरिद्रता दूर हों सिद्धि होय सब काम ॥

॥ चौपाई ॥
जय काली कंकाल मालिनी, जय मंगला महाकपालिनी ॥

रक्तबीज वधकारिणी माता, सदा भक्तन की सुखदाता ॥

शिरो मालिका भूषित अंगे, जय काली जय मद्य मतंगे ॥

हर हृदयारविन्द सुविलासिनी, जय जगदम्बा सकल दुःख नाशिनी ॥

ह्रीं काली श्रीं महाकाराली, क्रीं कल्याणी दक्षिणाकाली ॥

जय कलावती जय विद्यावति, जय तारासुन्दरी महामति ॥

देहु सुबुद्धि हरहु सब संकट, होहु भक्त के आगे परगट ॥

जय ॐ कारे जय हुंकारे, महाशक्ति जय अपरम्पारे ॥

कमला कलियुग दर्प विनाशिनी, सदा भक्तजन की भयनाशिनी ॥

अब जगदम्ब न देर लगावहु, दुख दरिद्रता मोर हटावहु ॥

जयति कराल कालिका माता, कालानल समान द्युतिगाता ॥

जयशंकरी सुरेशि सनातनि, कोटि सिद्धि कवि मातु पुरातनी ॥

कपर्दिनी कलि कल्प विमोचनि, जय विकसित नव नलिन विलोचनी ॥

आनन्दा करणी आनन्द निधाना, देहुमातु मोहि निर्मल ज्ञाना ॥

करूणामृत सागरा कृपामयी, होहु दुष्ट जन पर अब निर्दयी ॥

सकल जीव तोहि परम पियारा, सकल विश्व तोरे आधारा ॥

प्रलय काल में नर्तन कारिणि, जग जननी सब जग की पालिनी ॥

महोदरी माहेश्वरी माया, हिमगिरि सुता विश्व की छाया ॥

स्वछन्द रद मारद धुनि माही, गर्जत तुम्ही और कोउ नाहि ॥

स्फुरति मणिगणाकार प्रताने, तारागण तू व्योम विताने ॥

श्रीधारे सन्तन हितकारिणी, अग्निपाणि अति दुष्ट विदारिणि ॥

धूम्र विलोचनि प्राण विमोचिनी, शुम्भ निशुम्भ मथनि वर लोचनि ॥

सहस भुजी सरोरूह मालिनी, चामुण्डे मरघट की वासिनी ॥

खप्पर मध्य सुशोणित साजी, मारेहु माँ महिषासुर पाजी ॥

अम्ब अम्बिका चण्ड चण्डिका, सब एके तुम आदि कालिका ॥

अजा एकरूपा बहुरूपा, अकथ चरित्रा शक्ति अनूपा ॥

कलकत्ता के दक्षिण द्वारे, मूरति तोरि महेशि अपारे ॥

कादम्बरी पानरत श्यामा, जय माँतगी काम के धामा ॥

कमलासन वासिनी कमलायनि, जय श्यामा जय जय श्यामायनि ॥

मातंगी जय जयति प्रकृति हे, जयति भक्ति उर कुमति सुमति हे ॥

कोटि ब्रह्म शिव विष्णु कामदा, जयति अहिंसा धर्म जन्मदा ॥

जलथल नभ मण्डल में व्यापिनी, सौदामिनी मध्य आलापिनि ॥

झननन तच्छु मरिरिन नादिनी, जय सरस्वती वीणा वादिनी ॥

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे, कलित कण्ठ शोभित नरमुण्डा ॥

जय ब्रह्माण्ड सिद्धि कवि माता, कामाख्या और काली माता हिंगलाज विन्ध्याचल वासिनी, अटठहासिनि अरु अघन नाशिनी ॥

कितनी स्तुति करूँ अखण्डे, तू ब्रह्माण्डे शक्तिजित चण्डे ॥

करहु कृपा सब पे जगदम्बा, रहहिं निशंक तोर अवलम्बा ॥

चतुर्भुजी काली तुम श्यामा, रूप तुम्हार महा अभिरामा ॥

खड्ग और खप्पर कर सोहत, सुर नर मुनि सबको मन मोहत ॥

तुम्हारी कृपा पावे जो कोई, रोग शोक नहिं ताकहँ होई ॥

जो यह पाठ करै चालीसा, तापर कृपा करहिं गौरीशा ॥

॥ दोहा ॥
जय कपालिनी जय शिवा, जय जय जय जगदम्ब, सदा भक्तजन केरि दु:ख हरहु, मातु अविलम्ब ॥

Maa Maha Kali Jai Kali Kankal Malini Chalisa Meaning in Hindi

दोहा

जय जय सीताराम के मध्यवासिनी अम्ब, देहु दर्श जगदम्ब अब करहु न मातु विलम्ब।

- **अर्थ:** जय हो माँ जगदम्बा, जो श्रीराम और सीता के बीच स्थित हैं, हमें आपका दर्शन दे, माँ अब विलंब न करो।

जय तारा जय कालिका जय दश विद्या वृन्द, काली चालीसा रचत एक सिद्धि कवि हिन्द।

- **अर्थ:** जय हो तारा, जय हो कालिका, जय हो दश विद्या की देवी, काली चालीसा रचने वाला कवि सिद्धि प्राप्त करता है।

प्रातः काल उठ जो पढ़े दुपहरिया या शाम, दुःख दरिद्रता दूर हों सिद्धि होय सब काम।

- **अर्थ:** जो प्रातः काल, दोपहर या शाम को काली चालीसा का पाठ करता है, उसके दुःख और दरिद्रता दूर होती है और उसके सभी कार्य सिद्ध होते हैं।

चौपाई

जय काली कंकाल मालिनी, जय मंगला महाकपालिनी।

- **अर्थ:** जय हो काली, जो कंकालों की माला पहनने वाली हो, और जय हो मंगला, जो महाकपालिनी (महान रक्षक) हैं।

रक्तबीज वधकारिणी माता, सदा भक्तन की सुखदाता।

- **अर्थ:** रक्तबीज राक्षस का वध करने वाली माँ, जो हमेशा अपने भक्तों को सुख देने वाली हैं।

शिरो मालिका भूषित अंगे, जय काली जय मद्य मतंगे।

- **अर्थ:** शिर पर माला पहने हुए अंगों वाली, जय हो काली, जो मद्य (शराब) की मत्तता को नष्ट करने वाली हैं।

हर हृदयारविन्द सुविलासिनी, जय जगदम्बा सकल दुःख नाशिनी।

- **अर्थ:** हर हृदय में निवास करने वाली, जय हो माँ जगदम्बा, जो सभी दुःखों का नाश करने वाली हैं।

ह्रीं काली श्रीं महाकाराली, क्रीं कल्याणी दक्षिणाकाली।

- **अर्थ:** ह्रीं काली, श्रीं महाकाली, क्रीं कल्याणी, और दक्षिण काली की जय हो।

जय कलावती जय विद्यावति, जय तारासुन्दरी महामति।

- **अर्थ:** जय हो कलावती, जय हो विद्यावती, जय हो तारासुन्दरी, जो महा बुद्धिमान हैं।

देहु सुबुद्धि हरहु सब संकट, होहु भक्त के आगे परगट।

- **अर्थ:** हमें सही बुद्धि दें और सभी संकटों को दूर करें, भक्त के सामने प्रकट हो।

जय ॐ कारे जय हुंकारे, महाशक्ति जय अपरम्पारे।

- **अर्थ:** ॐ और हुंकार की जय हो, महाशक्ति की जय हो, जो अपरंपार हैं।

कमला कलियुग दर्प विनाशिनी, सदा भक्तजन की भयनाशिनी।

- **अर्थ:** कमला (लक्ष्मी), जो कलियुग का गर्व नष्ट करने वाली हैं, हमेशा अपने भक्तों के भय का नाश करने वाली हैं।

अब जगदम्ब न देर लगावहु, दुख दरिद्रता मोर हटावहु।

- **अर्थ:** माँ जगदम्बा, अब देर मत करो, मेरे दु:ख और दरिद्रता को दूर करो।

जयति कराल कालिका माता, कालानल समान घुतिगाता।

- **अर्थ:** जय हो कराल कालिका माता, जो काल के अंधकार को नष्ट करने वाली हैं।

जयशंकारी सुरेशी सनातनि, कोटि सिद्धि कवि मातु पुरातनी।

- **अर्थ:** जय हो शंकारी (शिव), जो सुरेशी (देवों की देवी) और सनातनी (शाश्वत) हैं, माँ पुरातनी (पुरानी देवी) की जय हो।

कपर्दिनी कलि कल्प विमोचनि, जय विकसित नव नलिन विलोचनी।

- **अर्थ:** जय हो कपर्दिनी, जो कलियुग के कष्टों को दूर करने वाली हैं, और जय हो नवलोचन वाली (नवीन आँखें)।

आनन्दा करणी आनन्द निधाना, देहुमातु मोहि निर्मल ज्ञाना।

- **अर्थ:** तुम आनंद की देवी हो, तुम्हारा भंडार अपार है, माँ मुझे निर्मल ज्ञान दे।

करूणामृत सागरा कृपामयी, होहु दुष्ट जन पर अब निर्दयी।

- **अर्थ:** तुम करुणा की सागर हो, कृपामयी हो, अब दुष्टों के प्रति निर्दयी हो जाओ।

सकल जीव तोहि परम पियारा, सकल विश्व तोरे आधारा।

- **अर्थ:** सभी जीवों के लिए तुम परम प्रिय हो, और समस्त विश्व तुम्हारे ही आधार पर टिका हुआ है।

प्रलय काल में नर्तन कारिणि, जग जननी सब जग की पालिणि।

- **अर्थ:** प्रलय काल में नृत्य करने वाली, तुम जगत की माता हो, जो सबका पालन करती हो।

महोदरी माहेश्वरी माया, हिमगिरि सुता विश्व की छाया।

- **अर्थ:** महोदरी, माहेश्वरी, माया (माँ दुर्गा), हिमगिरि की पुत्री हो, जो विश्व की छाया हो।

स्वछन्द रद मारद धुनि माही, गर्जत तुम्ही और कोउ नाहि।

- **अर्थ:** तुम्हारा रुद्र ध्वनि गूंजता है, और कोई और आवाज नहीं आती है।

स्फुरति मणिगणाकार प्रताने, तारागण तू व्योम विताने।

- **अर्थ:** तुम तारों के समूह की तरह स्फुरित हो, और आकाश में तारों का विस्तार करती हो।

श्रीधारे सन्तन हितकारिणी, अग्निपाणि अति दुष्ट विदारिणी।

- **अर्थ:** श्रीधारे (श्री के साथ) सन्तों के हित करने वाली, अग्निपाणि (हाथों में अग्नि) और दुष्टों का विनाश करने वाली।

धूम्र विलोचनि प्राण विमोचिनी, शुम्भ निशुम्भ मथनि वर लोचनि।

- **अर्थ:** तुम धूम्र विलोचन (धुंआ हटाने वाली), प्राणों का मोचन करने वाली हो, शुम्भ-निशुम्भ का वध करने वाली हो।

सहस भुजी सरोरूह मालिनी, चामुण्डे मरघट की वासिनी।

- **अर्थ:** तुम सहस्र भुजाओं वाली, सरोवर के किनारे रहने वाली हो, और चामुण्डे हो जो शवों के स्थान पर निवास करती हो।

खप्पर मध्य सुशोणित साजी, मारेहु माँ महिषासुर पाजी।

- **अर्थ:** तुम खप्पर (कटा हुआ सिर) में सजित हो, और महिषासुर के पापी को मापने वाली हो।

अम्ब अम्बिका चण्ड चण्डिका, सब एके तुम आदि कालिका।

- **अर्थ:** तुम अम्बा, अम्बिका, चण्ड और चण्डिका हो, सभी एक ही रूप में तुम आदि कालिका हो।

अजा एकरूपा बहुरूपा, अकथ चरित्रा शक्ति अनूपा।

- **अर्थ:** तुम अज (बिना जन्म के), एक रूप और बहुरूपा हो, और तुम्हारा वर्णन करना असंभव है।

कलकत्ता के दक्षिण द्वारे, मूरति तोरि महेशि अपारे।

- **अर्थ:** कलकत्ता के दक्षिण द्वार में तुम्हारी मूर्ति स्थापित है, तुम महेश्वरी हो, और अपार शक्ति वाली हो।

कादम्बरी पानरत श्यामा, जय माँतगी काम के धामा।

- **अर्थ:** तुम कादम्बरी (कादंबरी का पेड़), पानरस (मीठा रस) पीने वाली श्यामा हो, और काम के धाम (मंदिर) की जय हो।

कमलासन वासिनी कमलायनि, जय श्यामा जय जय श्यामायनि।

- **अर्थ:** तुम कमलासन पर बैठने वाली, कमलायिनी हो, जय हो श्यामा, जय हो श्यामायनि (श्यामा की देवी)।

मातंगी जय जयति प्रकृति हे, जयति भक्ति उर कुमति सुमति हे।

- **अर्थ:** जय हो मातंगी, जो प्रकृति हो, और जय हो भक्ति, जो कुमति (बुरी बुद्धि) और सुमति (अच्छी बुद्धि) की देवी हो।

कोटि ब्रह्म शिव विष्णु कामदा, जयति अहिंसा धर्म जन्मदा।

- **अर्थ:** करोड़ों ब्रह्मा, शिव और विष्णु की कार्यकारी देवी, अहिंसा और धर्म की जननी हो।

जलथल नभ मण्डल में व्यापिनी, सौदामिनी मध्य आलापिनी।

- **अर्थ:** तुम जल, थल और आकाश में व्याप्त हो, और सौदामिनी के मध्य स्वर में गाने वाली हो।

झननन तच्छु मरिरिन नादिनी, जय सरस्वती वीणा वादिनी।

- **अर्थ:** तुम्हारा स्वर झंकार की तरह गूंजता है, जय हो सरस्वती, वीणा की वादिनी।

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे, कलित कण्ठ शोभित नरमुण्डा।

- **अर्थ:** ॐ ऐं ह्रीं क्लीं, चामुण्डायै के मंत्र से तुम्हारा कण्ठ शोभित हो, जो नरमुंडों से सुशोभित है।

जय ब्रह्माण्ड सिद्धि कवि माता, कामाख्या और काली माता।

- **अर्थ:** जय हो ब्रह्मांड सिद्धि की कवि माता, कामाख्या और काली माता की जय हो।

हिंगलाज विन्ध्याचल वासिनी, अटठहासिनि अरु अघन नाशिनी।

- **अर्थ:** हिंगलाज (हिंगलाज देवी), विन्ध्याचल पर्वत पर वास करने वाली, अट्ठहास करने वाली और पापों का नाश करने वाली हो।

कितनी स्तुति करूँ अखण्डे, तू ब्रह्माण्डे शक्तिजित चण्डे।

- **अर्थ:** कितनी स्तुति करूँ, तुम अखंड, ब्रह्मांड की शक्तिशक्ति वाली, और चंडी (दुष्टों का संहारक) हो।

करहु कृपा सब पे जगदम्बा, रहहिं निशंक तोर अवलम्बा।

- **अर्थ:** जगदम्बा, कृपा करो सभी पर, और सभी भय रहित होकर तुम्हारे आश्रय में रहें।

चतुर्भुजी काली तुम श्यामा, रूप तुम्हार महा अभिरामा।

- **अर्थ:** तुम चतुर्भुजी हो, काली हो, और तुम्हारा रूप महा अभिराम (सर्वश्रेष्ठ सुंदर) है।

खड्ग और खप्पर कर सोहत, सुर नर मुनि सबको मन मोहत।

- **अर्थ:** तुम खड्ग (भाला) और खप्पर (कटा हुआ सिर) में शोभित हो, और देवता, मनुष्य, मुनि सभी को आकर्षित करती हो।

तुम्हारी कृपा पावे जो कोई, रोग शोक नहिं ताकहँ होई।

- **अर्थ:** जो कोई तुम्हारी कृपा प्राप्त करता है, वह रोग और शोक से मुक्त हो जाता है।

जो यह पाठ करै चालीसा, तापर कृपा करहिं गौरीशा।

- **अर्थ:** जो कोई यह चालीसा पाठ करता है, उस पर गौरीश (शिव) की कृपा बरसती है।

दोहा

जय कपालिनी जय शिवा, जय जय जय जगदम्ब, सदा भक्तजन केरि दुःख हरहु, मातु अविलम्ब।

- **अर्थ:** जय हो कपालिनी (जो सिर पर माला पहनने वाली हैं), जय हो शिवा, जय हो जगदम्बा, जो सदा अपने भक्तों के दु:ख हरने वाली हो, माँ अविलंब (झट से) कृपा करो।

Maa Maha Kali Jai Kali Kankal Malini Chalisa Lyrics in English

Dohas

Jai Jai Sitaram ke Madhyavasini Amb, Dehu Darsh Jagadamba Ab Karhu Na Matu Vilamb.

Jai Tara Jai Kalika Jai Dash Vidya Vrind, Kali Chalisa Rachat Ek Siddhi Kavi Hind.

Pratah Kaal Uth Jo Padhe, Dupahriya Ya Shaam, Dukh Daridratta Door Hon Siddhi Hoy Sab Kaam.

Chaupai

Jai Kali Kankal Malini, Jai Mangla Mahakpalini.

Raktbeej Vadhkarini Mata, Sada Bhaktan Ki Sukhdata.

Shiro Malika Bhushit Ange, Jai Kali Jai Madya Matange.

Har Hridayarvind Suvilasini, Jai Jagadamba Sakal Dukh Nashini.

Hreem Kali Shreem Mahakali, Kreem Kalyani Dakshinakali.

Jai Kalavati Jai Vidyavati, Jai Tarasundari Mahamati.

Dehu Subuddhi Harhu Sab Sankat, Hoho Bhakt Ke Aage Pragat.

Jai Om Kaare Jai Hunkaare, Mahashakti Jai Aparampare.

Kamala Kaliyug Darp Vinashini, Sada Bhaktjan Ki Bhayanashini.

Ab Jagadamba Na Der Lagavhu, Dukh Daridratta Mor Hataavhu.

Jayati Karal Kalika Mata, Kaalanal Samaan Ghutigata.

Jayashankari Sureshi Sanatani, Koti Siddhi Kavi Matu Puratani.

Kapardini Kali Kalp Vimochini, Jai Viksit Nav Nalin Velochani.

Ananda Karani Anand Nidhana, Dehumatu Mohee Nirmal Jnana.

Karunamrit Sagara Kripamayi, Hoho Dusht Jan Par Ab Nirdai.

Sakal Jeev Tohi Param Piyara, Sakal Vishv Tore Adhara.

Pralay Kaal Mein Nartan Karini, Jag Janani Sab Jag Ki Palini.

Mahodari Maheshwari Maya, Himgiri Suta Vishv Ki Chhaya.

Swachand Rad Marad Dhuni Mahi, Garjat Tumhi Aur Kou Nahi.

Sphurti Maniganakar Pratane, Taragan Tu Vyom Vitane.

Shridhare Santan Hitkarini, Agnipani Ati Dusht Vidarini.

Dhoomra Velochani Pran Vimochini, Shumbh Nishumbh Mathani Var Lochani.

Sahas Bhujhi Saroruh Malini, Chamunde Marghat Ki Vasini.

Khappar Madhya Sushonit Saji, Marehu Maa Mahishasur Paji.

Amb Ambika Chand Chandika, Sab Ake Tum Aadi Kalika.

Aja Ekarupa Bahurupa, Akath Charitra Shakti Anupa.

Kolkata Ke Dakshin Dware, Moorti Tori Maheshi Apare.

Kadambari Panarat Shyama, Jai Matagi Kaam Ke Dham.

Kamalasana Vasini Kamalayani, Jai Shyama Jai Jai Shyamayani.

Matangi Jai Jayati Prakriti He, Jayati Bhakti Ur Kumati Sumati He.

Koti Brahma Shiv Vishnu Kamada, Jayati Ahimsa Dharma Janmda.

Jalthal Nab Mandal Mein Vyapini, Saudamini Madhya Alapini.

Jhanannan Tachhu Maririn Nadini, Jai Saraswati Veena Vadini.

Om Aim Hreem Kleem Chamundayai Viche, Kalit Kanth Shobhita Naramunda.

Jai Brahmand Siddhi Kavi Mata, Kamakhya Aur Kali Mata.

Hinglaj Vindhyachal Vasini, Atthahasini Aru Aghan Nashini.

Kitni Stuti Karu Akhande, Tu Brahmande Shaktijit Chande.

Karhu Kripa Sab Pe Jagadamba, Rahin Nishank Tor Avalamba.

Chaturbhuj Kali Tum Shyama, Roop Tumhar Maha Abhirama.

Khadg Aur Khappar Kar Sohat, Sur Nar Muni Sabko Man Moht.

Tumhari Kripa Pave Jo Koi, Rog Shok Nahin Takah Ho.

Jo Yeh Paath Kare Chalisa, Taapar Kripa Karhin Gaurisha.

Dohas

Jai Kappalini Jai Shiva, Jai Jai Jai Jagadamba, Sada Bhaktan Ker Dukh Harhu, Maatu Avilamb.

This completes the **text in Hinglish** as requested. Let me know if you need further assistance!

Maa Maha Kali Jai Kali Kankal Malini Chalisa Meaning in English

Dohas

Jai Jai Sitaram ke Madhyavasini Amb, Dehu Darsh Jagadamba Ab Karhu Na Matu Vilamb.

- Hail, Hail to the mother who resides between Sitaram, give us your divine vision, O Jagadamba, and delay not, mother.

Jai Tara Jai Kalika Jai Dash Vidya Vrind, Kali Chalisa Rachat Ek Siddhi Kavi Hind.

- Hail Tara, Hail Kalika, Hail the ten forms of wisdom, the poet of Hind gains success by composing Kali Chalisa.

Pratah Kaal Uth Jo Padhe, Dupahriya Ya Shaam, Dukh Daridratta Door Hon Siddhi Hoy Sab Kaam.

- Whoever reads this in the morning, afternoon, or evening, their sorrows and poverty will be removed, and all their work will be accomplished.

Chaupai

Jai Kali Kankal Malini, Jai Mangla Mahakpalini.

- Hail Kali, who wears a garland of bones, and Hail Mangla, the great protector.

Raktbeej Vadhkarini Mata, Sada Bhaktan Ki Sukhdata.

- Mother, who destroys Raktbeej, is always the giver of happiness to her devotees.

Shiro Malika Bhushit Ange, Jai Kali Jai Madya Matange.

- Adorned with a crown on her head, Hail Kali, who removes intoxication and pride.

Har Hridayarvind Suvilasini, Jai Jagadamba Sakal Dukh Nashini.

- Hail the one who dwells in every heart, who removes all sorrows, Hail Jagadamba.

Hreem Kali Shreem Mahakali, Kreem Kalyani Dakshinakali.

- Hreem Kali, Shreem Mahakali, Kreem Kalyani, and Dakshinakali’s blessings.

Jai Kalavati Jai Vidyavati, Jai Tarasundari Mahamati.

- Hail Kalavati, Hail Vidyavati, Hail Tarasundari, the great intellect.

Dehu Subuddhi Harhu Sab Sankat, Hoho Bhakt Ke Aage Pragat.

- Grant us wisdom, remove all obstacles, and manifest before your devotee.

Jai Om Kaare Jai Hunkaare, Mahashakti Jai Aparampare.

- Hail Omkaar, Hail Hunkar, Victory to the supreme power, infinite and beyond compare.

Kamala Kaliyug Darp Vinashini, Sada Bhaktjan Ki Bhayanashini.

- Kamala, the one who destroys pride in Kaliyuga, always the remover of fears for her devotees.

Ab Jagadamba Na Der Lagavhu, Dukh Daridratta Mor Hataavhu.

- O Jagadamba, do not delay any longer, remove my sorrow and poverty.

Jayati Karal Kalika Mata, Kaalanal Samaan Ghutigata.

- Victory to the fierce Kali Mata, who burns like the fire of time.

Jayashankari Sureshi Sanatani, Koti Siddhi Kavi Matu Puratani.

- Victory to Jayashankari, the eternal goddess, who grants countless

achievements to the ancient poets.

Kapardini Kali Kalp Vimochini, Jai Viksit Nav Nalin Velochani.

- Hail Kapardini Kali, the one who frees from the age of Kali, the one with lotus-like eyes, ever blooming.

Ananda Karani Anand Nidhana, Dehumatu Mohee Nirmal Jnana.

- You are the giver of joy, the source of all bliss, grant me pure wisdom.

Karunamrit Sagara Kripamayi, Hoho Dusht Jan Par Ab Nirdai.

- O Karunamrit Sagara, compassionate one, now be merciless to the evil-doers.

Sakal Jeev Tohi Param Piyara, Sakal Vishv Tore Adhara.

- All living beings are dear to you, and the entire universe depends on you.

Pralay Kaal Mein Nartan Karini, Jag Janani Sab Jag Ki Palini.

- You are the dancer of the destruction time, the mother of the world, and the protector of all.

Mahodari Maheshwari Maya, Himgiri Suta Vishv Ki Chhaya.

- Mahodari, Maheshwari, and Maya, the daughter of the Himalayas, the shadow of the world.

Swachand Rad Marad Dhuni Mahi, Garjat Tumhi Aur Kou Nahi.

- Your thunderous roar echoes in the world, there is no sound like yours.

Sphurti Maniganakar Pratane, Taragan Tu Vyom Vitane.

- You manifest like a collection of precious gems, spreading the stars across the sky.

Shridhare Santan Hitkarini, Agnipani Ati Dusht Vidarini.

- You hold the world on your head, the protector of saints, burning the evil with your fiery hands.

Dhoomra Velochani Pran Vimochini, Shumbh Nishumbh Mathani Var Lochani.

- The one who destroys darkness, liberates souls, and annihilates demons like Shumbh and Nishumbh.

Sahas Bhujhi Saroruh Malini, Chamunde Marghat Ki Vasini.

- With thousands of arms and adorned with a lotus garland, residing in cremation grounds, Chamunde.

Khappar Madhya Sushonit Saji, Marehu Maa Mahishasur Paji.

- Adorned with a skull in the center, slaying the demon Mahishasura.

Amb Ambika Chand Chandika, Sab Ake Tum Aadi Kalika.

- You are the primordial Kali, the same in all forms, Ambika, Chandi, and Chandika.

Aja Ekarupa Bahurupa, Akath Charitra Shakti Anupa.

- O eternal one, with many forms, your power and deeds are beyond description.

Kolkata Ke Dakshin Dware, Moorti Tori Maheshi Apare.

- In the southern gate of Kolkata, your idol stands, the form of Maheshwari.

Kadambari Panarat Shyama, Jai Matagi Kaam Ke Dham.

- You, Shyama, sipping Kadambari, are the source of all desires.

Kamalasana Vasini Kamalayani, Jai Shyama Jai Jai Shyamayani.

- Hail Shyama, the one who resides on the lotus seat, the one with lotus eyes.

Matangi Jai Jayati Prakriti He, Jayati Bhakti Ur Kumati Sumati He.

- Victory to Matangi, the embodiment of nature, and to Bhakti, the remover of ill thoughts.

Koti Brahma Shiv Vishnu Kamada, Jayati Ahimsa Dharma Janmda.

- Victory to the one who fulfills the desires of Brahma, Shiva, and Vishnu, the source of non-violence and righteousness.

Jalthal Nab Mandal Mein Vyapini, Saudamini Madhya Alapini.

- You pervade the waters, land, and sky, and speak with the voice of a sweet melody.

Jhanannan Tachhu Maririn Nadini, Jai Saraswati Veena Vadini.

- The sound of your music resonates, and you are Saraswati, the goddess of knowledge, playing the Veena.

Om Aim Hreem Kleem Chamundayai Viche, Kalit Kanth Shobhita Naramunda.

- Om Aim Hreem Kleem, the mantra of Chamundayai, your throat is adorned with human skulls.

Jai Brahmand Siddhi Kavi Mata, Kamakhya Aur Kali Mata.

- Hail the mother of the universe, the goddess Kamakhya and Kali.

Hinglaj Vindhyachal Vasini, Atthahasini Aru Aghan Nashini.

- You reside in Hinglaj and Vindhyachal, laughing loudly, and you destroy all sins.

Kitni Stuti Karu Akhande, Tu Brahmande Shaktijit Chande.

- How much praise can I offer to you, O undefeated, you conqueror of the universe and the powerful one?

Karhu Kripa Sab Pe Jagadamba, Rahin Nishank Tor Avalamba.

- Show mercy to all, O Jagadamba, and may all rely on your shelter without fear.

Chaturbhuj Kali Tum Shyama, Roop Tumhar Maha Abhirama.

- You, Kali, with four arms, are of the Shyama (dark) complexion, and your form is supremely beautiful.

Khadg Aur Khappar Kar Sohat, Sur Nar Muni Sabko Man Moht.

- You wield the sword and skull, mesmerizing gods, humans, and sages alike.

Tumhari Kripa Pave Jo Koi, Rog Shok Nahin Takah Ho.

- Anyone who receives your grace will be free from all ailments and sorrows.

Jo Yeh Paath Kare Chalisa, Taapar Kripa Karhin Gaurisha.

- Those who recite this Chalisa, will receive the grace of Gaurisha (Shiva).

Dohas

Jai Kappalini Jai Shiva, Jai Jai Jai Jagadamba, Sada Bhaktan Ker Dukh Harhu, Maatu Avilamb.

- Hail the one adorned with skulls, Hail Shiva, Hail Jagadamba, always remove the sorrows of your devotees, O Mother, without delay.